



व्याकरणम्

- आजकल 'ऋ' और 'लृ' का प्रयोग सामान्यतः कम हो गया है। हिन्दी में इन स्वरों का प्रयोग नहीं होता, इसलिए उसकी वर्णमाला में 11 स्वर हैं। हिन्दी और संस्कृत की वर्णमाला में अन्य स्वर-व्यंजन एकसमान ही हैं।
- संस्कृत व्यंजनों की संख्या 33 होती है।



अभ्यासः



मुख्येन

1. अधोलिखितानाम् उच्चारणं कुरुत-

(निम्नलिखित का उच्चारण कीजिए- *Pronounce the following*)-

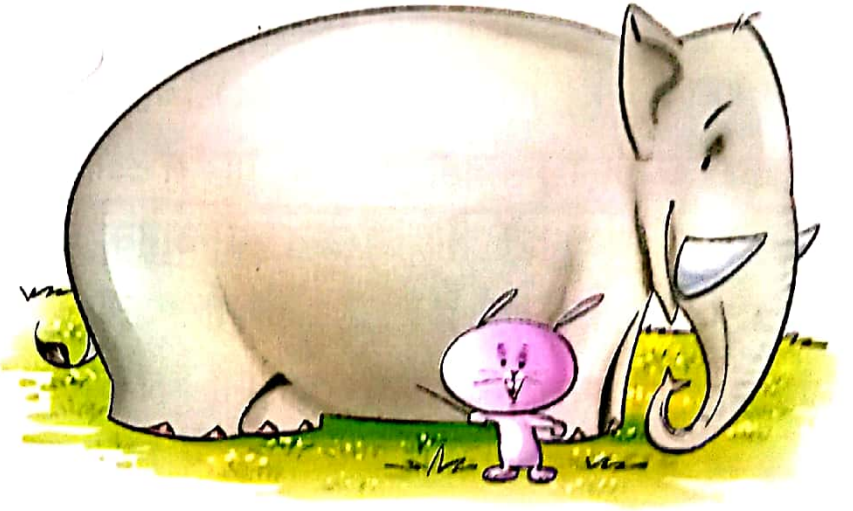
क् ख् ग् घ् ङ्

च् छ् ज् झ् ञ्

ट् ठ् ड् ढ् ण्

त् थ् द् ध् न्

प् फ् ब् भ् म्



लेखिन्या

2. स्वर-व्यंजनानि पृथक् कृत्वा लिखत-

(स्वर-व्यंजनों को अलग करके लिखिए- *Write Consonant-vowels separately*)-



स्वरः आ ऋ ऊ ऋ ए औ
व्यंजनम् क् ख् च् फ् स र

3. वर्गानुसारेण वर्णानि लिखत-




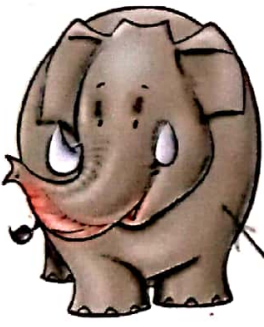




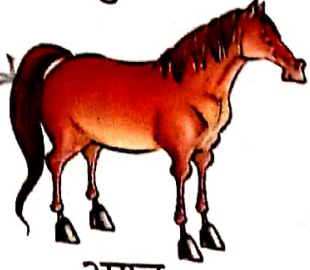

(वर्गों के अनुसार वर्ण लिखिए- Write alphabet according to the classification)-



व्याकरण

4. चित्रैः सह वर्णानि मेलयत-

(चित्रों के साथ वर्णों को मिलाइए- Match the alphabet with the pictures)-

	(क)	क		घटः
आम्रम्	(ख)	आ		हरिणः
	(ग)	अ		घटका
गजः	(घ)	घ		सर्पः
	(ङ)	ध		धनुः
कमलम्	(च)	स		अश्वः
	(छ)	ग		
बकः	(ज)	ह		
	(झ)	च		
	(ञ)	ब		



सृजनात्मकता

5. वर्गाणां पञ्चमवर्णस्थाने अनुस्वार-प्रयोगः भवति। अनुस्वार-स्थाने पञ्चमवर्ण-प्रयोगं कृत्वा चित्राणां नामानि लिखत-

(वर्गों के पञ्चम वर्ण के स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग होता है। अनुस्वार के स्थान पर पञ्चम वर्ण का प्रयोग करके चित्रों के नाम लिखिए- Nasal sound is used in place of fifth alphabet of the classification. By using fifth alphabet in place of nasal sound write the names of the pictures)-

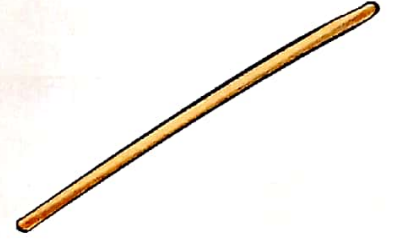
(क)



चंचुः

चञ्चुः

(ख)



दंडम्

दण्डम्

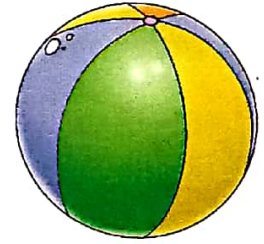
(ग)



कंबलः

कञ्बलः

(घ)



कंदुकम्

कण्डुका

(ङ)



गंगा

गङ्गा